संपादकीय

मनरेगा मजदूरी का सवाल

जरूरी यह है कि मनरेगा मजदूरी हो या न्यूनतम मजदूरी, उसे मुद्रास्फीति के इंडेक्स से जोड़ा जाए। तभी शहर से गांवों तक में श्रमिक वर्ग के उपभोग के स्तर को बनाए रखा जा सकेगा, जो आम अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए भी जरूरी है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) मौजूदा सरकार की कभी प्राथमिकता नहीं रहा। लेकिन ग्रामीण समाज की हकीकत ऐसी है कि सरकार ना तो इसे उगल पाती है या ना निगल पाती है। कोरोना काल में यह आम तजुर्बा रहा कि यह योजना गरीबों के लिए सबसे बड़ा सहारा साबित हुई। उसके बाद इस कानून को नजरअंदाज करना संभव नहीं रह गया है। तो सरकार ने आखिरकार मनरेगा की मजदूरी बढ़ाने का फैसला लेना पड़ा है। बहरहाल, एक मुद्दा अभी भी अनसुलझा है। अलग-अलग राज्यों में मजदूरी की दर में असमानता कायम है। सवाल यह है कि आखिर एक ही योजना में काम करने वालों को समान मजदूरी क्यों नहीं मिलती? मनरेगा के तहत अगले वित्त वर्ष 2023-24 में दिहाड़ी बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। वेतन में सात रुपए से लेकर 26 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। यानी दिहाड़ी में वेतन वृद्धि दो से दस प्रतिशत तक होगी। ये नई दरें एक अप्रैल से लागू होंगी। इस बढ़ोत्तरी के बाद हरियाणा में उच्चतम मजदूरी दर 357 रुपए प्रतिदिन होगी।

दूसरी ओर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में सबसे कम दैनिक मजदूरी दर 221 रुपए है। वहीं राजस्थान में वर्तमान मजदूरी दर की तुलना में अधिकतम 10.39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और गोवा में सबसे कम 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वैसे जब से मनरेगा शुरू हुआ है, मजदूरी की दर अलग-अलग रही है। इसका कारण यह बताया जाता है कि भारत के अलग-अलग राज्यों में जीवन-यापन की लागत अलग-अलग होती है। यानी जो खर्च दिल्ली में होता है, वह बिहार में नहीं होता। इस वजह से हर राज्य में दिहाड़ी भी अलग-अलग रखी जाती है। यह बात अपने-आप में ठीक है। लेकिन गुजरे एक वर्ष में जिस रूप में महंगाई बढ़ी है, क्या उसकी दर भी अलग-अलग रही है? जरूरत इस बात की है कि मनरेगा की मजदूरी हो या न्यूनतम मजदूरी, उसे मुद्रास्फीति के इंडेक्स से जोड़ा जाए। तभी शहर से गांवों तक में श्रमिक वर्ग के उपभोग के स्तर को बनाए रखा जा सकेगा, जो आम अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए भी जरूरी है।

नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के लिए 38 हजार करोड़ रुपए आवंटित

नई दिल्ली। जहां मौजूदा हवाईअड्डों के विकास के लिए लगभग 60,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, वहीं अगले पांच वर्षों में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए लगभग 38,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। हवाईअड्डों का उन्नयन और आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य हवाईअड्डा विकासकर्ताओं द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक विचार, यातायात की मांग और सरकार की इच्छा के आधार पर किया जाता है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि एएआई और अन्य हवाईअड्डा डेवलपर्स ने मौजूदा टर्मिनलों के विस्तार और आधुनिकीकरण, नए टर्मिनलों और रनवे के सुदृढ़ीकरण सहित अन्य गतिविधियों के लिए अगले पांच वर्षों में हवाईअड्डा क्षेत्र में लगभग 98,000 करोड़ रुपये के पूंजी परिव्यय का लक्ष्य रखा है।

भारत सरकार ने 45,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल अनुमानित परियोजना लागत पर 21 नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

इनमें से दुर्गापुर, शिर्डी, कन्नूर, पकयोंग, कालाबुरगी, ओरवाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर, ईटानगर, मोपा और शिवमोग्गा सहित 11 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे चालू हो गए हैं।

हवाईअड्डों के निर्माण या उन्नयन संबंधित हवाईअड्डा डेवलपर्स द्वारा किया जाता है। इसकी समय-सीमा विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरी, बाधाओं को दूर करना, वित्तीय समापन आदि।

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन और कोविड-19 महामारी के अन्य प्रभाव जैसे जनशक्ति का वियोजन, आपूर्ति श्रृंखला का बंद होना आदि और अभूतपूर्व प्रतिकूल मौसम की स्थिति एएआई द्वारा शुरू की गई उन्नयन परियोजनाओं में देरी के लिए मुख्य जिम्मेदार कारक रहे हैं।

प्रश्न के जवाब में कहा गया कि परियोजनाओं के वित्तपोषण सहित हवाईअड्डा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों सहित संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ताओं की है।

गूगल कर रहा 4.2 अरब डॉलर के विज्ञापन मुकदमे का सामना

सैन फ्रांसिस्को। गूगल के खिलाफ एक नया मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें राजस्व के नुकसान के लिए प्रकाशकों को मुआवजे के तौर पर 3.4 अरब पाउंड (4.2 अरब डॉलर) की मांग की गई है। गार्जियन टेक्नोलॉजी के पूर्व एडिटर चार्ल्स आर्थर द्वारा किए गए दावे के अनुसार, गूगल ने प्रकाशकों के मुनाफे को कम करने के लिए ऑनलाइन विज्ञापन में अवैध रूप से अपनी प्रमुख स्थिति का इस्तेमाल किया।

गूगल ने कहा कि वह 'सट्टा और अवसरवादी' कार्रवाई का सख्ती से विरोध करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, मुकदमे में आर्थर ने दावा किया कि गूगल द्वारा अपनी स्थिति के दुरुपयोग के कारण विज्ञापन-प्रौद्योगिकी सेवाओं को बढ़ाया गया था और प्रकाशकों के विज्ञापन बिक्री राजस्व को अवैध रूप से कम कर दिया गया था।

आर्थर के हवाले से कहा गया है, यूके प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) वर्तमान में विज्ञापन-प्रौद्योगिकी में गूगल के प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण की जांच कर रहा है, लेकिन उनके पास यह शक्ति नहीं है कि गूगल उन लोगों की भरपाई कर सके जो हार गए हैं। हम केवल अदालतों के माध्यम से उस गलत को सही कर सकते हैं। यही कारण है कि मैं यह दावा कर रहा हूं।

पिछले साल नवंबर में दायर इसी तरह के मुकदमे के बाद यह इस तरह का दूसरा मुकदमा है। दावा ब्रिटेन के पूर्व संचार नियामक ऑफकॉम के निदेशक क्लाउडियो पोलाक द्वारा लाया गया था, जो गूगल से 13.6 अरब पाउंड तक का हर्जाना मांग रहा है। इस बीच, नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने कहा है कि गूगल को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा लगाए गए 1,337.76 करोड़ रुपये के जुर्माने का भुगतान करना होगा।

सीसीआई ने 30 अक्टूबर, 2022 को एंड्रॉइड मोबाइल उपकरणों के संबंध में प्रतिस्पर्धा-रोधी प्रथाओं के लिए गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.98 अरब डॉलर बढ़कर 578.8 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में वृद्धि से 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.98 अरब डॉलर बढक़र लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 578.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 12.8 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 572.8 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.4 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 509.73 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 1.4 अरब डॉलर की भारी वृद्धि हुई, जिससे यह बढक़र 45.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 20.1 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई और यह बढक़र 18.42 अरब डॉलर हो गया।

कई हस्तियों ने ट्विटर ब्लू के लिए मस्क को 8 डॉलर का भुगतान करने से मना किया

नई दिल्ली। ट्विटर ने मशहूर हस्तियों को प्रतिरूपण से बचाने के लिए 2009 में अपनी सत्यापन प्रणाली शुरू की थी, लेकिन अब एलन मस्क चाहते हैं कि हर कोई ब्लू बैज के लिए भुगतान करे और मंच पर कई मशहूर हस्तियों के साथ यह कदम अच्छा नहीं रहा है। मस्क अब चाहते हैं कि सत्यापित ब्लू चेक मार्क के लिए हर कोई 8 डॉलर प्रति माह (भारत में 900 रुपये प्रति माह) का भुगतान करे और सभी लीगेसी ब्लू बैज किसी भी क्षण चले जाने के लिए तैयार हैं।

व्हाइट हाउस और न्यूयॉर्क टाइम्स ने सदस्यता सेवा के साथ सत्यापित

ब्लू के लिए पहले ही भुगतान करने से इनकार कर दिया है।

लेब्रोन जेम्स, अब तक के सबसे अधिक वेतन पाने वाले एनबीए खिलाड़ी और प्रति वर्ष 40 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई करने वाले ने ट्विटर को भुगतान करने से इनकार कर दिया। उन्होंने पोस्ट किया, आपका अनुमान है कि मेरा नीला चेक मार्क जल्द ही चला जाएगा, क्योंकि यदि आप मुझे जानते हैं कि मैं 5 का भुगतान नहीं कर रहा हूं।

अभिनेता विलियम शाटनर ने मस्क पर ट्वीट किया : अब आप मुझसे कह रहे हैं कि मुझे उस चीज के लिए भुगतान करना होगा जो आपने मुझे मुफ्त में दी है? यह क्या है कोलंबिया रिकॉर्डस एंड टेप्स क्लब?

माइकल थॉमस, एनएफएल के न्यू ऑरलियन्स संतों के लिए एक व्यापक रिसीवर ने पोस्ट किया : कोई भी नहीं चाहता है कि रैगेडी ब्लू चेक अब कोई रास्ता नहीं है।

एक्टिविस्ट-वकील मोनिका लेविंस्की ने स्क्रीनशॉट का एक सेट पोस्ट किया जिसमें कई ट्विटर अकाउंट्स को दिखाया गया है।

उन्होंने पोस्ट किया, खैर, यह मजेदार होने वाला है। किस ब्रह्मांड में यह उन लोगों के लिए उचित है जो प्रतिरूपण के लिए परिणाम भुगत सकते हैं? एक झूठ दुनिया भर में आधी यात्रा कर लेता है इससे पहले कि सच्चाई दरवाजे से बाहर हो जाए।

इस बीच, कस्तूरी द्वारा संचालित ट्विटर ने सत्यापन बैज रखने के लिए एक नई नीति की घोषणा करने के बमुश्किल एक हफ्ते बाद न्यूयॉर्क टाइम्स के ब्लू बैज को हटा दिया है।

धोनी ने भारत की ऐतिहासिक 2011 विश्व कप फाइनल जीत का किस्सा साझा किया

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने 2011 में भारत की ऐतिहासिक विश्व कप जीत का एक किस्सा साझा किया है, जिसमें खुलासा किया गया है कि वह उस समय 'भावुक' हो गए थे, जब लोगों ने जीत के क्षण से ठीक 15-20 मिनट पहले 'वंदे मातरम' गाना शुरू कर दिया था। 2011 विश्व कप में भारत की प्रसिद्ध जीत की 12वीं वर्षगांठ थी। धोनी ने 28 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आईसीसी के मुताबिक, धोनी ने कहा गया, सबसे अच्छा अहसास 15-20 मिनट (जीतने के क्षण से पहले) था। हमें बहुत अधिक रनों की आवश्यकता नहीं थी, साझेदारी अच्छी तरह से रखी गई थी, बहुत ओस थी। और स्टेडियम ने वंदे मातरम गाना शुरू कर दिया। मुझे लगता है कि माहौल को फिर से बनाना बहुत मुश्किल है शायद इस (आगामी 2023) विश्व कप में एक समान परिदृश्य हो। इसे दोहराना बहुत मुश्किल (माहौल) है, लेकिन इसे तभी दोहराया जा सकता है जब अवसर 2011 के जैसा हो और 40, 50 या 60,000 लोग गा रहे हों।

उन्होंने कहा, मेरे लिए यह जीत का क्षण नहीं था, यह 15-20 मिनट पहले था, जब मैं बहुत भावुक हो गया था। और साथ ही, मैं इसके साथ काम करना चाहता था। हमें पता था कि हम

यहां से जीतेंगे और हमारे लिए हारना काफी मुश्किल था। तो हां, आप जानते हैं कि यह संतुष्टि की भावना से अधिक था, काम हो गया, चलिए यहां से आगे बढ़ते हैं।

2011 विश्व कप की जीत का दिन भारतीय क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर था, जो प्रतिष्ठित ट्रॉफी को उठाने के लिए 20 से अधिक वर्षों से प्रयास कर रहे थे।

धोनी ने खुलासा किया कि कई बार उन्हें आश्चर्य होता था कि क्या तेंदुलकर उस मायावी पुरस्कार का दावा करेंगे।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, हां, हम सभी जानते थे कि यह पाजी (तेंदुलकर) का आखिरी विश्व कप था और पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमें लगा कि हम उनके लिए यह करना चाहते हैं।

कोहली, डु प्लेसिस की जोड़ी चमकी, आरसीबी की विजयी शुरुआत

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने विराट कोहली (82 नाबाद) और फाफ डु प्लेसिस (73) के शानदार अर्द्धशतकों की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को मुंबई इंडियन्स को आठ विकेट से रौंदकर टूर्नामेंट की धमाकेदार शुरुआत की।

मुंबई ने युवा सनसनी तिलक वर्मा (84 नाबाद) के विस्फोटक अर्द्धशतक की मदद से 171 रन बनाये, लेकिन कोहली-डु प्लेसिस के बीच हुई 148 रन की साझेदारी से आरसीबी ने 16.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली।

तिलक जब बल्लेबाजी करने उतरे तब मुंबई 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुका था। उन्होंने अपनी टीम को संकट से निकालते हुए 46 गेंद पर नौ चौकों और चार छक्कों की सहायता से 84 रन बनाये, जबकि मुंबई के अन्य बल्लेबाज 75 गेंद पर 76 रन ही बना सके।

मुंबई की तुलना में आरसीबी के बल्लेबाजों को जऱा भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम पर चार साल बाद लौटते हुए कोहली ने 49 गेंद पर छह चौके और पांच छक्के लगाकर 82 रन की नाबाद पारी खेली। कप्तान डु प्लेसिस 43 गेंद पर 73 रन (पांच चौके, छह छक्के) बनाकर आउट हो गये, लेकिन कोहली ने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर विजयी छक्का जडक़र आरसीबी को दमदार जीत दिलाई। आरसीबी ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी के लिये बुलाया और उसके गेंदबाज पावरप्ले में विपक्षी टीम पर हावी रहे। मोहम्मद सिराज ने ईशान किशन को 10 रन के स्कोर पर आउट किया, जबकि रीस टोपली ने कैमरन ग्रीन को मात्र पांच रन पर पवेलियन भेजा। कप्तान रोहित शर्मा पिच पर बुरी तरह संघर्ष करते नजऱ आये और आकाश दीप का शिकार होने से पहले 10 गेंद पर एक रन ही बना सके।

घरेलू कीट की समस्याओं से राहत पाने के लिए आजमाएं ये 5 प्राकृतिक उपचार

लगभग हर घर में चींटियों, मच्छरों, तिलचट्टों, मकडिय़ों, और खटमल जैसे कीट मौजूद रहते हैं। इनसे निपटने के लिए बाजार में कई तरह के रायासनों से भरे पेस्ट किलर उपलब्ध हैं, लेकिन ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं और सांस की बीमारियों का कारण भी बन सकते हैं। इसके बजाय आपको घरेलू उपचार अपनाना चाहिए क्योंकि यह सुरक्षित और प्रभावी होते हैं। आइए आज घरेलू कीट की समस्याओं से राहत पाने के लिए 5 प्राकृतिक उपचार जानते हैं।

नमक का करें इस्तेमाल

घर में मौजूद पिस्सू और चींटियां जैसे अन्य कीटों को दूर रखने के लिए नमक एक बेहतरीन प्राकृतिक उपचार है। यह घर को स्वच्छ रख सकता है, जिससे हानिकारक बीमारियों के जोखिम को रोका जा सकता है। चींटियों या पिस्सुओं को घर में प्रवेश करने से रोकने के लिए अपने घर के दरवाजों और खिड़कियों के चारों ओर नमक छिडक़ें। इसके अलावा कालीनों पर भी नमक छिडक़ें क्योंकि पिस्सू आमतौर पर इन क्षेत्रों के आसपास ज्यादा रहते हैं।

टी ट्री और नीलगिरी तेल का मिश्रण है मददगार

टी ट्री ऑयल एंटी-सेप्टिक, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। यह कीटनाशक के रूप में भी कार्य कर सकता है। दूसरी ओर नीलगिरी तेल की तेज गंध कीड़ों को कमरे और घर से दूर रखने में मदद करती है। लाभ के लिए टी ट्री ऑयल और नीलगिरी का तेल पानी में मिलाएं और इसे कमरे के चारों ओर स्प्रे करें। आप चाहें तो इससे अलमारी के दरवाजे भी पोंछ सकते हैं।

बेकिंग सोडा भी है प्रभावी

बेकिंग सोडा भी एक प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में कार्य कर सकता है। यह कीटों में विशेष रूप से तिलचट्टों और कीड़ों को जहर देने, काटने या डिहाइड्रेट करने में मदद करता है। आप चाहें तो बेकिंग सोडा के साथ थोड़ा चीनी का पाउडर भी मिला सकते हैं। इससे कीटों को लुभाने में आसानी होगी, जिससे वह इसे आसानी से खाकर खत्म हो जाएंगे। इसके लिए आपको जहां भी कीड़े दिखें वहां इस मिश्रण को छिडक़ दें।

पुदीने की पत्तियां है असरदार

तीखी गंध और औषधीय और अरोमाथेराप्यूटिक गुणों से भरपूर पुदीना मच्छरों, मक्खियों और चींटियों जैसी रोजमर्रा कीटों की परेशानियों को घर से दूर रखने में मदद करता है। दरअसल, पुदीने की पत्तियों में मौजूद मेन्थॉल मच्छरों और माइट्स के लिए कीटनाशक का काम करता है। इसके लिए आप घर के दरवाजे, खिडक़ी, बालकनी या प्रवेश द्वार के आसपास पुदीने की ताजी पत्तियां रख सकते हैं।

नींबू के रस का करें इस्तेमाल

नींबू की खट्टी महक मकडिय़ों और चींटियों जैसे आम कीड़ों को दूर रखती है क्योंकि उन्हें इसकी गंध पसंद नहीं होती है। इसके लिए थोड़े से पानी में नींबू के रस को मिलाएं। अब इस रस को एक स्प्रे बोतल में डाल दें। इसे दरवाजे और खिड़कियों समेत उन क्षेत्रों को साफ रखने के लिए स्प्रे करें जहां कीट मौजूद हों। नींबू के प्रभाव को बढ़ाने के लिए आप इसे सिरके के साथ भी मिला सकते हैं।

रहस्य और रोमांच से भरपूर है गैसलाइट

गैसलाइट शब्द का प्रयोग क्रिया के रूप में किसी व्यक्ति के मनोविज्ञान में चालाकी से हेरफेर करने लिए किया जाता है, ताकि पीडित खुद अपने ही विचारों की वैधता पर सवाल उठाने लगे, उसके लिए सच्चाई की धारणा बदल जाए। पवन कृपलानी द्वारा निर्देशित गैसलाइट एक क्लासिक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। कहानी की शुरूआत में ही समझ आ जाता है कि एक मर्डर हुआ है। यहां सवाल किसने किया का नहीं बल्कि क्यों और कैसे किया का है? फिल्म में खुलते जा रहे धीरे-धीरे रहस्य आपको सीट से बांधे रखेंगे। कहानी हमें रतन सिंह गायकवाड़ की हवेली मायागढ़ महल में ले जाती है, यहां एक होम वीडियो की क्लिप के जरिए उनकी बेटी मिश्री उर्फ मीशा का

जन्मदिन मनाते हुए दिखाया गया है। मीशा की मां की एक भयानक दुर्घटना में मौत हो जाती है। सालों बाद, व्हीलचेयर-बाउंड मीशा (सारा अली खान) अपने पिता के साथ सुलह करने के लिए घर लौटती है, जिनके साथ उसके एक तनावपूर्ण रिश्ता है। जब वह घर आती है, तो उसकी सौतेली मां रुक्मिणी (चित्रांगदा सिंह) और घर के बाकी लोगों द्वारा उसका घर में स्वागत किया जाता है।

शब्द सामर्थ्य- 23

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

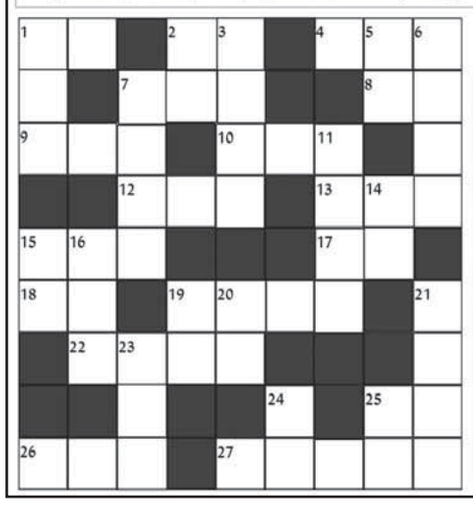

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 022 का हल

वि	ज	य		ब	नि	या		दे
वा		ती	त	र		रा	जी	व
ह	मा	म		स	प	ना		ता
	न				टा			
दा	व	त		वि	ना	श		अ
य		ह	त्या			ह	र्जा	ना
रा	ह	त		न	ज	र		व
	वा				मी		ना	श्य
दु	ला	रा		जा	न	की		क

सू-दोकू- 23

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.022 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

मेष : आज आपका मन नए-नए कामों में लगेगा। दोस्तों के साथ मिलकर आप कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं। फिजूलखर्ची पर कंट्रोल रखें अन्यथा भविष्य में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। यात्रा योग बन रहे हैं। खरीददारी कर सकते हैं।

वृष : आज आपकी आज आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। बिजनेस करने वाले लोगों को मिलाजुला फल मिलेगा। आपके सामने कई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती है जिसका सामना करने के लिए आप तैयार रहें।

मिथुन : आज आपका आज का दिन बहुत शुभ रहेगा। आपको अपनी किस्मत का भरपूर सहयोग मिलने वाला है। पुराने रुके हुए काम पूरे होंगे। आपको अपनी मेहनत का मन मुताबिक फायदा मिल सकता है।

कर्क : आज आपका आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण नजर आ रहा है। आप जिस क्षेत्र में कोशिश करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलने के योग हैं। आपकी किसी बड़ी योजना का अच्छा फायदा मिल सकता है। भविष्य के लिए धन इकट्ठा करने में आप सफल रहेंगे।

सिंह : आज आपका आज का दिन फायदेमंद साबित होगा। रुके हुए कामों में गति आएगी। धार्मिक यात्रा योग। आप अपने विरोधियों को परास्त करेंगे। अचानक अपनों से कोई खुशखबरी मिल सकती है। पैसा कमाने के कई मार्ग हासिल होंगे।

कन्या : आज आपका आज का दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। किसी पुरानी बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। अचानक किसी महत्वपूर्ण मामले में फैसला लेना पड़ेगा।

तुला : आज आपका आज का दिन बेहतरीन रहेगा सामाजिक क्षेत्र में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बेरोजगार लोगों को अच्छी नौकरी मिल सकती है। आपकी सोच सकारात्मक रहेगी।

वृश्चिक : आज आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग नजर आ रहे हैं। कार्यालय में आपके कार्यों की सराहना होगी। अचानक लाभ मिलने के योग हैं। आप अपनी मधुर वाणी से लोगों को प्रभावित करेंगे।

धनु : आज का दिन मौज मस्ती भरा व्यतीत होने वाला है। सामाजिक मेलजोल से आपको खुशी और सुकून मिलेगा। कामकाज में अच्छे नतीजे हासिल होंगे। नौकरी के क्षेत्र का माहौल आपके पक्ष में रहने वाला है।

मकर : आज आप जरूरतमंद लोगों की मदद करने का मौका मिल सकता है। व्यापार के सिलसिले में लाभदायक यात्रा पर जा सकते हैं। अचानक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आमदनी में हुई बढ़ोतरी इसको संतुलित कर देगी।

कुंभ : आज सकारात्मक बने रहना होगा। आपके मन में कोई पुरानी बात चिंता का कारण बन सकती है। आप कहीं पैसा निवेश कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद से आपको अपने किसी जरूरी काम में सफलता हासिल होगी।

मीन : आज का दिन अति उत्तम रहेगा। लाभ के कई अवसर हाथ लग सकते हैं। आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार आएगा। खर्चों में कमी आएगी। बच्चों की तरफ से टेंशन कम होगी।